

जमे पधारो धणी रोमा देसी वीणा भजन लिरिक्स



जमे पधारो धणी रोमा,
ककू केसर री गार निपाऊ,
मोतियों रो सोक पुराउ,
पीले पोनो री जाजम ढलाऊ,
जीण पर आचण पूरो,
दुर्बल होने करू विणती,
पाठ पधारो धणी पीरो,
दुर्बल होने करू विणती,
जमे पधारो धणी रोमा।

गेहूं रे मगाऊ रामा कातिया,
झीणो पिवाऊ थोरे मेदो,
घिरत खोड में मैदो रलाऊ,
चोखो रंधाऊ थोरे सिरो,
दुर्बल होने करू विणती,
पाठ पधारो धणी पीरो,
दुर्बल होने करू विणती,
जमे पधारो धणी रोमा।

ऊंची मेड़ी अधर झरुखा,
जीण पर आचण पुरो,
सिरख पथरणा ढालु ढोलियो,
जीण पर मालिक सुइरो,
दुर्बल होने करू विणती,
पाठ पधारो धणी पीरो,
दुर्बल होने करू विणती,
जमे पधारो धणी रोमा।

गुरु उगमदे पूरा मिलिए,
मार्ग बताया झीणा,
दोई कर जोड़ रत्नसिंग बोले,
चरणों में राखो पीरो,
दुर्बल होने करू विणती,
पाठ पधारो धणी पीरो,
दुर्बल होने करू विणती,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरूर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - <https://www.bhajandiary.com>



ककू केसर री गार निपाऊ,
मोतियों रो सोक पुराउ,
पीले पोनो री जाजम ढलाऊ,
जीण पर आचण पूरो,
दुर्बल होने करू विणती,
पाठ पधारो धणी पीरो,
दुर्बल होने करू विणती,
जमे पधारो धणी रोमा,
जमे पधारो धणी रोमा।bd।

प्रेषक – बींजाराम पन्नू माडपुरा।